©mayurpuri.com

फ़लक देखूँ

मुखड़ा:
फ़लक देखूँ ज़मीन देखूँ जहाँ देखूँ
तेरा चेहरा वहीं देखूँ
हर इक मंज़र तेरा मंज़र वो क्या मंज़र
जहाँ तुझको नहीं देखूँ
फ़लक देखूँ

अंतरा 1:
है किसने तराशा ये बदन मर्मरी सा
ये ख़्वाबो भरी आँखें
ये चेहरा परी सा
तू ही मेरा हासि़ल है
तू ही आरज़ू
बहारों को
नज़ारों को
सितारों को
जो तू हो
नहीं देखूँ
फ़लक देखूँ

अंतरा 2:
छलकता है पलकों से
ये कैसा नशा है
नहीं होश में कोई
क्या दिलकश समाँ है
तेरा नूर छाया है
तेरा ही ज़ुनून
ओ जानेअदा
तेरे जैसा
नहीं मुम्क़िन कहीं कोई हसीन देखूँ
फ़लक देखूँ

©mayurpuri.com